उपसभापतिः बस हो गया।

श्री गोविन्दराम मिरीः मेरा कहना यह है कि (**व्यवधान**)

उपसभापतिः कि जोन खुलना चाहिए।....(**व्यवधान**)

श्री गोविन्दराम मिरीः प्रदेश कांग्रेस की दो गुट की राजनिति ने यह तोड़फोड़ कराई है और राष्ट्रीय संपत्ति को आग लगवाई है। आज यह स्टेशन छिन्न-भिन्न पड़ा है, वीरान सा पड़ा है।...(**व्यवधान**) उसको रेस्टोर होने में अभी कई महीने लगेंगे।

उपसभापतिः बस। चतुरानन जी, आप बोलिल ए।...(**व्यवधान**)

श्री गोविन्दराम मिरीः अंत में मैं यह मांग करता हूं कि शीघ्र न्यायिक जांच हो और दोषी लोग दंडित हों।

उपसभापतिः बस हो गया। सुन लिया।...(**व्यवधान**) चतुरानन जी, आप बोलिए।...(**व्यवधान**)

श्री लक्खीराम अग्रवाल (मध्य प्रदेश): यह काफी गंभीर आरोप है। मैं चाहता हूं कि इसकी इन्कवायरी होनी चाहिए। वहां पर भारी हानि हुई है। इस घटना की न्यायिक जांच की जाए।...(**व्यवधान**)

श्री अजीत जोगी (मध्य प्रदेश): मैडम , हम सब चाहते हैं कि बिलासपुर में जोन खोलें। बिलासपुर में जोन खुलना चाहिए।

श्री राघवजी (मध्य प्रदेश): मैं भी इसका समर्थन करता हूं।...(**व्यवधान**)

उपसभापतिः सुन लिया।...(**व्यवधान**) I have to sit five minutes late.

एक बजने में पांच मिनट है और अब क्योंकि तीन नाम हैं इसलिए मैं पूरे करके जाऊंगी।

श्री चतुरानन मिश्रः हम दो मिनट में खत्म कर देंगे। ...(**व्यवधान**)

उपसभापतिः नहीं, मैं यह बात बोलना चाहती हूं जो मैं सुबह कह रही थी कि यहां इस हाउस में जिसका नाम पहले आ जाता है वह पूरे हाउस के टाईम को मोनोपलाइज़ करते हैं।
वह सब मेंबर्स जिन के नाम बाद में होते हैं, सफर करते हैं। अब आप का नाम है, डा० मुरली मनोहर जोशी जी हालांकि इस समय हाउस में नहीं हैं, उन का नाम है, उपेन्द्र जी और पिल्लै जी का नाम भी है। Mr. Pillai is there. All these names are there. These Members suffer. This is not fair to your own colleagues. Just because somebody's name comes first in the list, he makes a speech and walks out of the House. Make a political speech and go away! Everybody should get the time equally for every subject which is as important for the Member as for the people of this country. That is what I have been trying to say all the time. Nobody cooperates. If Members do not cooperate with the Chair, they should at least cooperate with each other.

I. RE. DENIAL OF PANCHAYATI RAJ TO TRIBALS BY NON-ACCEPTANCE OF BHURIA COMMITTEE RECOMMENDATIONS

II. RE. HUNGER STRIKE BY TRIBAL LEADERS

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार): उपसभापति महोदया, मैं सरकार की गलती के कारण इस देश में आदिवासियों के ऊपर जो एक बड़ा अन्याय हो रहा है, उस ओर आप का और सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। महोदया, जब पंचायती राज के लिए संविधान संशोधन हो रहा था, उस वक्त आदिवासियों की विशिष्टता को देखते हुए यह तय किया गया था कि उस के लिए अलग से कानून बनेगा उन के रिवाजों को देखते हुए और इस संबंध में बनी भूरिया कमेटी ने भी रिपोर्ट दी है, परंतु अभी तक पंचायती राज से उन लोगों को वंचित किया गया है।

महोदया, अभी सारे देश से आदिवासी लोग यहां भूख हड़ताल और अनशन पर थे। उस समय हमारे हस्तक्षेप पर गृह मंत्रीजी ने अहलूवालिया जी को भेजा था। उन के साथ कुछ बातें हुई थीं, लेकिन अभी तक यह निष्कर्ष नहीं निकल सका है कि उन के लिए क्या किया जाय। इसलिए मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि उन को भी पंचायती राज मिले। इस के लिए जल्द-से-जल्द कानून बनाएं। अगर कानून नहीं बन सके तो सत्र समाप्त होने के बाद ऑर्डिनेंस के जरिए उन को यह सुविधा दी जाए क्योंकि यह समाज के सब से उपेक्षित वर्ग में से हैं। यही मेरा अनुरोध है। धन्यवाद।